संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-10 । अंक-5 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 07 जुलाई 2026 से 13 जुलाई 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

राज्य सूचना आयोग

दो मुंह का सांप..?

Illustrative Representation - Bureaucratic Contradictions.

सूचना आयोग है या सब्जी की दुकान?

नियम-कानून से नहीं, मनमाने तरीके से संचालित हो रहा राज्य का सूचना आयोग!

SPECIAL REPORT

नवीन गलकर

भोपाल/इंदौर। मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग, जिसका काम प्रदेश में पारदर्शिता की मशाल जलाना और भ्रष्टाचार को बेनकाब करना है, आज खुद एक पहेली बन गया है। इसकी कार्यप्रणाली को देखकर ऐसा लगता है मानो यह कोई जिम्मेदार दफ्तर नहीं, बल्कि मनमाने नियमों से चलने वाली 'सब्जी-भाजी की दुकान' हो। 'संभाग पोस्ट' ने अपने पिछले अंक (23 जून 2026) में ही 'प्रहरी ही बने अंधे' शीर्षक के साथ आयोग के कामकाज की पोल खोल दी थी। उस खबर के बाद 'सत्यसंकल्प समाधान फाउंडेशन' ने भी मोर्चा खोल दिया है। फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और राज्यपाल को शिकायत भेजकर इस पूरे तंत्र की जांच की मांग की है।

आयोग की कथनी और करनी में कितना अंतर है, इसका ताजा उदाहरण सामने आया है। जिसे जानकर आप भी कहेंगे 'राज्य सूचना आयोग दो मुंह का सांप' दरअसल आवेदक ने अपनी द्वितीय अपील राज्य सुचना आयोग को ईमेल से भेजी, तो आयोग ने ईमेल के रिप्लाई में जवाब लिख कर दिया— 'राज्य सूचना आयोग के नियमानुसार ई-मेल के माध्यम से आपकी द्वितीय अपील का रजिस्ट्रेशन नही किया जा सकता है।' जब लिखे नियम के बारे में पूछा गया, कि ऐसा कौन सा नियम है जो ईमेल से अपील रोकने की बात करता है, तो आयोग के अधिकारी चुप हो गए और कोई भी नियम नहीं बता पाए। इस नियम के संबंध में मुख्य सूचना आयुक्त विजय यादव से भी मार्गदर्शन माँगा पर वहा भी वही स्थिति कोई जवाब नहीं। जब आवेदक ने इस सम्बन्ध में दो अलग-अलग आरटीआई लगाई एक में ई-मेल के माध्यम से द्वितीय अपील का रजिस्ट्रेशन क्रमांक माँगा वही दूसरी आरटीआई में उनके द्वारा ईमेल के रिप्लाई में उल्लिखित 'राज्य सूचना आयोग के नियम' की विस्तृत जानकारी मांगी। मिले जवाब पत्र में अपील पंजीयन नहीं होने का एक अलग ही कारण लिख कर दिया, 'आपके ईमेल वाले डॉक्यूमेंट खुल नहीं रहे थे, इसलिए रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ'। वही ईमेल के रिप्लाई में उल्लिखित 'राज्य सूचना आयोग के नियम' के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। अब जब ईमेल आया था, तब तो आपने 'नियम' का बहाना मारा था, अब डॉक्यूमेंट न खुलने का राग क्यों अलाप रहे हैं? एक ही प्रकरण में दो बार दो अलग-अलग बातें? कभी 'नियम नहीं है' कहकर ई-मेल खारिज करना, तो कभी 'फाइल ओपन नहीं हुई' का बहाना बनाना—यह सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और सूचना छिपाने की साजिश प्रतीत होती है। ईमेल के रिप्लाई में जो 'राज्य सूचना आयोग के नियमानुसार' लिखा हैं, उस बारे में कौन बतायेगा? उसे साबित करना होगा, केवल लिख देना 'राज्य सूचना आयोग के नियमानुसार' से नियम साबित नहीं होता, वह किस नियामवली में किस बिंदु पर अंकित है, यह भी तो बताओ!

(शेष पृष्ठ 4 पर)

सुविचार

क्रोध कभी भी बिना कारण नहीं होता, लेकिन कदाचित ही यह कारण सार्थक होता है।

संपादकीय

इथेनॉल का मोल

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई-85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल,ये वाहन ई-85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई-100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं। जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां ई-20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई-85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाहे-बगाहे पैदा होने वाले भू-राजनीतिक संकटों ने बार-बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों को ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं। निश्चय ही वाहनों में इथेनॉल को बढ़ावा देना देश में आयातित कच्चे तेल के दबाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। लेकिन इस बदलाव को सिरे चढ़ाने के लिए बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ना चाहिए, जिससे लोगों की आशंकाएं दूर हो सकें। जरूरत लोगों का भरोसा हासिल करने की है। भारत में इथेनॉल मिले तेल के उपयोग ने इससे होने वाले तमाम फायदों को साबित किया है। इससे काफी विदेशी मुद्रा की बचत भी हुई है। साथ ही देश में इथेनॉल का सशक्त उद्योग विकसित हुआ है। यदि बाजार में इथेनॉल पर लोगों का भरोसा बढ़ता है और इसकी मांग बढ़ती है तो इससे किसानों को कमाई के नये अवसर मिल सकते हैं। इथेनॉल की ज्यादा मांग होने पर गन्ने और मक्का का बाजार विस्तार लेगा। वहीं दूसरी ओर ई-85 की कीमत पारंपरिक पेट्रोल के मुकाबले कम रखने के फैसले से, उन उपभोक्ताओं को फायदा हो सकता है, जिनके पास इसके अनुकूल गाड़ियां है। भले ही इस फ्यूल की ईंधन दक्षता कम हो, लेकिन यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को संबल देगा।

संस्था न्यायाश्रय द्वारा 'कोर्ट प्रैक्टिस कैसे शुरू करें' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर। युवा अधिवक्ताओं एवं विधि विद्यार्थियों को सफल वकालत के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से संस्था न्यायाश्रय द्वारा दिनांक 11 जुलाई 2026 (शनिवार) को दोपहर 3:30 बजे जिला न्यायालय ऑडिटोरियम, इंदौर में एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी का विषय 'प्रैक्टिस कैसे शुरू करें' रखा गया है। इस कार्यक्रम में नव अधिवक्ताओं को वकालत प्रारंभ करने की रणनीति, प्रथम क्लाइंट प्राप्त करने के व्यावहारिक तरीके, न्यायालयीन कार्यप्रणाली, प्रोफेशनल एथिक्स, ड्राफ्टिंग, कार्यालय प्रबंधन एवं सफल अधिवक्ता बनने के लिए आवश्यक व्यवहारिक पहलुओं पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम की विशेषता यह रहेगी कि इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ, इंदौर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का संस्था न्यायाश्रय द्वारा अभिनंदन एवं स्वागत भी किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष डॉ. पंकज वाधवानी, एडवोकेट ने बताया कि इस संगोष्ठी का उद्देश्य युवा अधिवक्ताओं को केवल कानूनी ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यवहारिक वकालत की वास्तविक चुनौतियों एवं अवसरों से परिचित कराना है, जिससे वे अपने व्यावसायिक जीवन की मजबूत शुरुआत कर सकें। उन्होंने सभी अधिवक्ताओं, नव अधिवक्ताओं, विधि विद्यार्थियों एवं विधि क्षेत्र से जुड़े सभी व्यक्तियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

इंदौर के युवा फ़ोटोग्राफ़र अनुराग बड़ोलिया को अमेरिका की फ़ोटोग्राफ़ी सोसाइटी ऑफ़ अमेरिका से (PPSA) पी पी एस ऐ सम्मान

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर। शहर के युवा फ़ोटोग्राफ़र अनुराग बड़ोलिया को विश्व की प्रतिष्ठित संस्था फ़ोटोग्राफ़ी सोसाइटी ऑफ़ अमेरिका , USA द्वारा PPSA प्रोफिशिएंसी (फ़ोटोग्राफ़ी सोसाइटी ऑफ़ अमेरिका) डिस्टिंक्शन से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन फ़ोटोग्राफ़रों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने PSA-मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय फ़ोटोग्राफ़ी प्रदर्शनियों एवं प्रतियोगिताओं में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन और उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हों। इस उपलब्धि के साथ अनुराग बड़ोलिया मध्य प्रदेश के सबसे कम उम्र के PPSA डिस्टिंक्शन प्राप्त करने वाले फ़ोटोग्राफ़र बन गए हैं। यह सम्मान उनकी वर्षों की मेहनत, रचनात्मक दृष्टि और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है। अनुराग बड़ोलिया वर्तमान में निजी कैमरा कंपनी के मेंटर-एम्बेसडर होने के साथ-साथ मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के फ़ोटोग्राफ़ी मेंटर भी हैं। वे स्ट्रीट, ट्रैवल और लाइफ़स्टाइल वेडिंग फ़ोटोग्राफ़ी के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी तस्वीरों के माध्यम से भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस अवसर पर अनुराग ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, गुरुजनों, मित्रों एवं सभी शुभचिंतकों को दिया। उन्होंने विशेष रूप से श्री अर्नव चक्रवर्ती का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग ने इस उपलब्धि को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अनुराग ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि आगे और बेहतर कार्य करने तथा भारत और मध्य प्रदेश का नाम अंतरराष्ट्रीय फ़ोटोग्राफ़ी जगत में गौरवान्वित करने की प्रेरणा है।

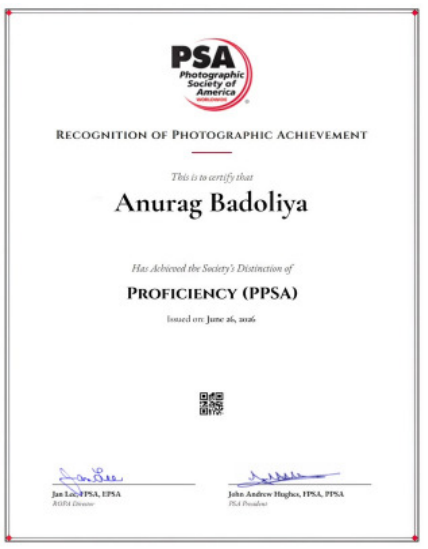

जूनी इंदौर थाना क्षेत्र में ऑनलाइन सबक्रिप्शन बंद करने के नाम पर 1 लाख रु से अधिक ठगे

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में ऑनलाइन ठगी की वारदात लगातार सामने आ रही है। पुलिस द्वारा लगातार सतर्कता अभियान भी चलाया जा रहा, पर ठग बातो में उलझा कर गूगल पर बड़ी बड़ी कम्पनियो के नाम पर अपने नम्बर डाल कर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे। इसी कड़ी में एक बुजर्ग दम्पति से 1 लाख रु से अधिक मोबाइल हैक कर ठग लिया। बता दे पूरा मामला इंदौर के जूनि इंदौर थाना क्षेत्र का है, जहा फरियादि निर्मल और उनकी पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई की उन्होंने एक ऑनलाइन ध्रुऊ का प्लान ले रखा था जो बंद हो गया था तभी गूगल से कम्पनी का नंबर सर्च किया और उस नम्बर पर कॉल किया जैसे ही कॉल किया एक युवक ने 5 रु डालने का बोला जैसे पैसे डाले वैसे ही मोबाइल की स्क्रीन ब्लेंक हो गई तभी फोन बंद कर दिया जिसे चालू किया तो उनके और उनको पत्नी के अकाउंट से 1 लाख रु से अधिक कट गए। वही इस मामले में एसीपी ने बताया की निर्मल की शिकायत पर ठगी का मुकदमा दर्ज किया है, जो नम्बर पर कॉल किया था वह भारत का ही है पुलिस पुरे मामले की जाँच पड़ताल कर रही है।

वक्फ बोर्ड में हिंदू सदस्य शामिल करने वाला पहला राज्य बना मध्यप्रदेश

इंदौर के मनोज मालपानी समेत दो को मिली जगह

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

मध्य प्रदेश सरकार ने वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करते हुए देश में पहली बार दो गैर-मुस्लिम (हिंदू) सदस्यों को बोर्ड में शामिल किया है। वक्फ (संशोधन) अधिनियम-2025 के तहत गठित यह नया बोर्ड देश का पहला ऐसा राज्य वक्फ बोर्ड है, जिसमें हिंदू सदस्यों की नियुक्ति की गई है। नए बोर्ड में इंदौर के मनोज मालपानी और गुना के राघौगढ़ निवासी अनिमेष भार्गव को सदस्य बनाया गया है, जबकि सनवर पटेल को दोबारा बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

एमपी वक्फ बोर्ड में कुल 10 सदस्य

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के नए गठन के मुताबिक, सनवर पटेल को एमपी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के तौर पर पदस्थ किया गया है। वह पिछले बोर्ड में भी अध्यक्ष थे। इसी के साथ बोर्ड में कुल 10 सदस्यों को शामिल किया गया है। इनमें पहली बार हिंदू सदस्य मनोज मालपानी और अनिमेश भार्गव को शामिल किया गया है। वहीं, नए वक्फ बोर्ड में नजमा हेपुल्ला (नई दिल्ली), विधायक आतिफ अकील (भोपाल उत्तर), फैजान खान (उज्जैन), बहन फातेमा चौधरी (इंदौर), शाइस्ता सुल्तान (पार्षद, बैरसिया), शबाना खान (पार्षद, रतलाम), मनोज मालपानी (इंदौर), अनिमेश भार्गव (राघौगढ़, गुना) तथा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण

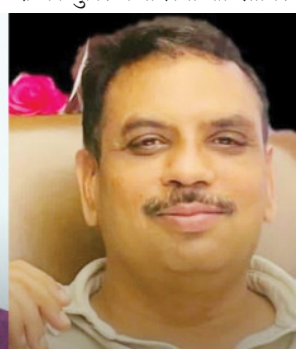

विभाग के आयुक्त को सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया है।

MP बना पहला राज्य

राज्य सरकार के अनुसार, वक्फ (संशोधन) अधिनियम-2025 के प्रावधानों के अनुरूप बोर्ड का गठन करने वाला मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। नए बोर्ड में कुल 10 सदस्य शामिल हैं। इससे पहले वक्फ अधिनियम-1995 के तहत राज्य वक्फ बोर्ड में केवल मुस्लिम समुदाय के सदस्य ही नियुक्त किए जा सकते थे।

बदलाव के बाद पहली नियुक्ति

वक्फ संशोधन कानून-2025 लागू होने के बाद पहली बार प्रत्येक राज्य वक्फ बोर्ड में कम-से-कम दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना अनिवार्य किया गया है। इसी प्रावधान के तहत मध्य प्रदेश में मनोज मालपानी और अनिमेष भार्गव को बोर्ड का सदस्य बनाया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री नजमा हेपतुल्ला का नाम उनके पूर्व कार्यकाल के आधार पर बोर्ड में बरकरार रखा गया है। उनका कार्यकाल अप्रैल 2028 तक रहेगा। राज्य सरकार ने 4 जुलाई 2026 को जारी राजपत्र (असाधारण) की अधिसूचना के माध्यम से वक्फ अधिनियम की धारा 13(1) के तहत नए बोर्ड के गठन की घोषणा की।

क्या होता है वक्फ बोर्ड?

वक्फ बोर्ड राज्य की वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और संरक्षण के लिए गठित एक वैधानिक संस्था है। इसका मुख्य कार्य वक्फ संपत्तियों का रिकॉर्ड तैयार करना, उनके उपयोग और आय की निगरानी करना, अवैध कब्जों से सुरक्षा देना तथा धार्मिक, शैक्षणिक और सामाजिक कल्याण के उद्देश्यों के लिए इन संपत्तियों के उपयोग को सुनिश्चित करना है। वक्फ संशोधन विधेयक 2 अप्रैल 2025 को लोकसभा और 3 अप्रैल 2025 को राज्यसभा से पारित हुआ था। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद इसे 8 अप्रैल 2025 से लागू किया गया। बाद में केंद्र सरकार ने यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट रूल्स-2025 की अधिसूचना जारी कर नए प्रावधानों को देशभर में प्रभावी किया। सरकार का कहना है कि नए कानून से वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा मिलेगा।

इंदौर में माहेश्वरी संघ के चुनाव संपन्न,बाहेती बने अध्यक्ष, सारड़ा उपाध्यक्ष बने

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में माहेश्वरी समाज के चुनाव संपन्न हुए। इस बार दो पैनल आमने-सामने थे। दोपहर तक मतदान होने के बाद शाम को मतगणना शुरू हुई। माहेश्वरी संघ में कुल 398 मतदाता हैं। 60 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान सुबह 9 बजे शुरू हुआ। चकानैन और जगन्नाथ पैनल आमने-सामने थे। चुनाव में जगन्नाथ पैनल का दबदबा रहा। इस पैनल के छह उम्मीदवार चुनाव जीते। ईश्वर बाहेती अध्यक्ष बने। उन्होंने सत्यानारायण मंत्री को हराया। उपाध्यक्ष पद पर अजय सारड़ा, रजत बेड़िया और केदार हेड़ा विजयी हुए। सचिव पद का चुनाव संजय मान्धन्या ने जीता। संयुक्त सचिव पद पर हर्ष राठी और रजत लड्ढा चुनाव जीते। प्रचार मंत्री चेतन बियानी और संगठन मंत्री नीलेश सारड़ा बने। सुबह से दोनों पैनलों के उम्मीदवार छत्रीबाग स्थित माहेश्वरी स्कूल पहुंच गए थे। उनके समर्थक भी मतदान केंद्र के बाहर उम्मीदवारों का प्रचार करते नजर आए। मतदान दोपहर एक बजे तक चला। इसके बाद शाम चार बजे से मतगणना शुरू हुई। मतदान दो चरणों में हुआ। सभी सदस्यों को पहचान पत्र लाने के लिए कहा गया था। चुनाव जीतने वाले पदाधिकारी तीन साल के लिए संघ में काबिज हुए हैं। संघ के अलावा जिला कार्यसमिति, पश्चिमी मप्र प्रादेशिक सभा और अखिल भारतीय महासभा के प्रतिनिधियों के लिए भी सदस्यों ने मतदान किया। परिणाम आने के बाद उम्मीदवारों के समर्थकों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर खुशी का इजहार किया।

23 नवोदित कवियों को काव्य दीप सम्मान कवि देवकृष्ण व्यास स्वर्णाक्षर से सम्मानित

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

सुप्रसिद्ध कवि डॉ. कुंअर बेचैन की जन्म जयंती पर मातृभाषा उन्नयन संस्थान व डॉ. कुंअर बेचैन स्मृति न्यास, ऑस्ट्रेलिया द्वारा बुधवार को प्रीतमलाल दुआ सभागार में काव्य कुंअर व काव्य दीप सम्मान समारोह आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी व अध्यक्ष देवकृष्ण व्यास रहे, साथ ही, वरिष्ठ पत्रकार हरिश फतेहचन्दानी व लोकप्रिय गीतकार अमन अक्षर विशिष्ट अतिथि रहे। अतिथि स्वागत प्रदीप जोशी, नितेश गुप्ता, संजय त्रिपाठी, डॉ. संध्या सिलावट ने किया। शब्द स्वागत मातृभाषा उन्नयन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन 'अविचल' ने किया। भरत कुमार उपाध्याय ने डॉ. कुंअर बेचैन के जीवन पर प्रकाश डाला। तदुपरान्त अतिथियों ने वरिष्ठ कवि देवकृष्ण व्यास को स्वर्णाक्षर सम्मान से सम्मानित किया। मुख्य अतिथि शंकर लालवानी ने कहा कि 'अमृतकाल के भारत में युवा ही महत्त्वपूर्ण हैं और युवाओं को अपने कार्य से पहचान बनानी चाहिए। रचनाकारों की लेखनी देश के प्राण हैं।' हरीश फतेहचंदानी संबोधित करते हुए कहा कि 'सरकार चाहे कोई भी हो, कवियों को निर्भय रहकर अपने भाव लोगों तक पहुंचाना चाहिए।' अमन अक्षर ने कहा कि 'आज कुंअर बेचैन का स्मरण इंदौर में करना हमारी पीढ़ी का सौभाग्य है, हमें डॉ. बेचैन जी की तरह सहज भाव से लेखन करना चाहिए।' अंत में अध्यक्षता कर रहे श्री व्यास ने कहा कि 'आप लिखें, खूब लिखें पर लिखते समय हृदय में राष्ट्र रखना। और जब तक लिखने वाला बेचैन नहीं होगा, वह कवि नहीं हो सकता और तालियां किसी कविता की सफलता नहीं तय करतीं।' कार्यक्रम संचालन डॉ. अखिलेश राव ने किया व अंत में आभार कवि चेतन जोशी ने माना। हिन्दी आंदोलन, हिन्दीग्राम व मातृभाषा डॉट कॉम के सहयोग से सर्जना का सम्मान हुआ। इस अवसर पर अरविंद तिवारी, शिशिर उपाध्याय, दिनेश दवे, श्याम कामले, अनिता बिरला, स्वाति सिंह साहिबा, कल्याणी गुप्ता, नैवेद्य पुरोहित, प्रमोद दीक्षित, विनीता तिवारी, लक्ष्मीकांत पंडित, मार्टिन पिंटो, शिवम सिंह, वैदिक पराशर, वेदांत चतुर्वेदी आदि सुधिजन मौजूद रहे।

काव्य दीप सम्मान से ये कवि हुए सम्मानित

उज्जैन से प्रशांत व्यास 'रुद्र',

फतेहपुर से सुंदरम फतेहपुरी, नरसिंहपुर से मेघा मिश्रा, बालाघाट से माही शुक्ला, आष्टा से अंकित शर्मा, मंदसौर से अभिषेक सोलंकी व सुभाष बोराना, सनावद से गौरव पटेल नीलकंठ व श्रीधरा पटेल, सोनगढ़ से नारायण कुमावत, सिवनी से राज तेकाम, कसरावद से गौतम रावल, टोकसर से अजय वर्मा एवं इंदौर से प्रशांत राव चौरसे, हिमांशु मंगला वर्मा, पवन जोशी, कुलश्रेष्ठ शर्मा, प्राची शर्मा, निशिका नागर, डॉ. आभांश शर्मा, गोपाल सोलंकी इंदौरी, विशाल शर्मा 'जानिब' व यश शुक्ला को संस्थान द्वारा काव्य दीप सम्मान से सम्मानित किया।

राज्य सूचना आयोग

दो मुंह का सांप..?

Illustrative Representation - Bureaucratic Contradictions.

सूचना आयोग है या सब्जी की दुकान?

नियम-कानून से नहीं, मनमाने तरीके से संचालित हो रहा राज्य का सूचना आयोग!

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोग की कार्यप्रणाली का 'भद्दा मजाक' यहीं खत्म नहीं होता। जब आरटीआई आवेदन ऑनलाइन स्वरुप में पोर्टल से किया गया था, तो पीआईओ को आरटीआई का जवाब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन देना था? आवेदक को सूचना प्रदाय करने की अंतिम तिथि, एक आरटीआई में 25 जून 2026 वही दूसरी में 26 जून 2026 निर्धारित थी। आयोग ने 26 जून को दोनों जवाब को डिस्पैच किया, जो आवेदक को 29 जून को प्राप्त हुआ। इंडिया पोस्ट की ट्रैकिंग रिपोर्ट (EI803277735IN) इस बात का जीवंत प्रमाण है कि आयोग ने जानबूझकर विलंब किया या फिर वे प्रशासनिक सुस्ती की पराकाष्ठा पर हैं। यदि पारदर्शिता के सबसे बड़े दफ्तर की यह हालत है, तो आम आदमी अपनी शिकायतों के लिए किसके पास जाए? क्या यह सब जानबूझकर किया जा रहा है ताकि आम आदमी परेशान होकर आरटीआई लगाना ही छोड़ दे? इस पुरे प्रकरण में मुख्य सूचना आयुक्त की चुप्पी भी सवालो के घेरे में है।

आवेदक का आरोप है कि आयोग जिस तरह से ईमेल के डॉक्यूमेंट्स को 'ओपन न होने' का बहाना बनाकर रजिस्ट्रेशन टाल रहा है, वह किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है। यह पूरा प्रकरण दर्शाता है कि आयोग का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान करना नहीं, बल्कि मनमाने तर्कों और झूठे बहानों से आरटीआई आवेदनों को ठंडे बस्ते में डालना है। क्या राज्य सूचना आयोग के पास कोई लिखित नियम है कि ईमेल से अपील स्वीकार नहीं की जाएगी? यदि है, तो वह आम जनता के लिए सार्वजनिक क्यों नहीं है? क्या सरकारी तंत्र के भीतर सूचनाओं को दबाने के लिए 'डॉक्यूमेंट ओपन न होने' को एक 'सॉफ्टवेयर हथियार' के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है? राज्य सूचना आयोग, जो खुद पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बना है, यदि वही संस्थान अपनी जवाबदेही से इस तरह भागने लगे, तो आम आदमी न्याय की गुहार किसके पास लगाएगा? आवेदक का कहना है, की उसके पास ऐसे कई दस्तावेजी प्रमाण है, जो आयोग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़े करता है। आवेदक का कहना है, की अब इन सभी दस्तावेजों के आधार पर वह सक्षम न्यायालय के समक्ष अपनी बात को रखेंगे।

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

- समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
- ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
- ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
- हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
- हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
- जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
- यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
- अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
- हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार

सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते

भारत माता की जय वंदे मातरम

सीएम यादव ने जनसंघ के संस्थापक मुखर्जी को किया नमन

बोले- एमपी में इसी महीने लागू होगा UCC

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं विचारक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें नमन किया। सीएम यादव ने भोपाल में लालघाटी पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हमारी यादों में बसे हुए हैं। हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि मध्यप्रदेश भी उन गौरवशाली राज्यों में शामिल हो रहा है, जहां एक संविधान लागू है। डॉ. मुखर्जी ने आजादी के समय बनने वाले संविधान के अंदर की कमी को परिलक्षित करते हुए कहा था कि देश एक निशान-एक प्रधान-एक विधान से चलना चाहिए। मध्यप्रदेश भी इसी महीने समान नागरिक संहिता (UCC) लागू करने की ओर बढ़ रहा है।

26 जुलाई तक बढ़ाया समिति का कार्यकाल

बता दें समिति का कार्यकाल पहले 26 जून को समाप्त हो गया था। अब इसे तकनीकी कारणों से 26 जुलाई तक बढ़ा दिया गया है। समिति से जुड़े सदस्यों के अनुसार, विधानसभा से विधेयक पारित होने के बाद भी समिति की भूमिका समाप्त नहीं होगी। कानून लागू करने के लिए आवश्यक नियम और प्रक्रियाएं तैयार करने का काम भी समिति की निगरानी में होगा। इसी कारण कार्यकाल बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

लोगों से मिले 9.5 लाख से अधिक सुझाव

जानकारी के अनुसार, यूसीसी समिति को प्रदेशभर से 9.5 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं। इनमें करीब 4 लाख सुझाव ऑनलाइन और शेष विभिन्न माध्यमों से मिले हैं। समिति इन सभी सुझावों का अध्ययन कर रही है और उपयोगी सुझावों को अंतिम मसौदे में शामिल किया जा रहा है। समिति के आंकड़ों के अनुसार, सुझाव देने वालों में महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही। करीब 4 लाख महिलाओं में से 3.8 लाख (95 प्रतिशत) ने यूसीसी का समर्थन किया। वहीं 5.5 लाख पुरुषों में से लगभग 5.1 लाख (92 प्रतिशत) ने भी इसके पक्ष में राय दी। धार्मिक समुदायों के आधार पर भी बड़ी संख्या में लोगों ने यूसीसी का समर्थन किया है। इसमें मुस्लिम समुदाय से प्राप्त करीब 29 हजार सुझावों में 38 प्रतिशत लोगों ने यूसीसी के पक्ष में राय रखी। इसके अलावा विभिन्न संस्थानों से भी करीब 2 हजार सुझाव समिति को मिले हैं।

एमपी में बेरोजगारी की दर सबसे कम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश वह सब करने जा रहा है, जो देश के लिए जरूरी है। उनके नेतृत्व में भारत दुनिया में अपनी विशेष पहचान बना रहा है। डॉ. मुखर्जी के उदात्त विचार को लेकर हम औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ रहे हैं। हम हर वर्ग के जीवन में कल्याण करने की तरफ बढ़ रहे हैं। डॉ. मुखर्जी जिस प्रकार के भारत की कल्पना करते थे, हम वह राष्ट्र बनाने की ओर अग्रसर हैं। मध्यप्रदेश ने पहली बार डिफेंस के सेक्टर में स्वर्णिम इतिहास लिखा है। अब हमारे प्रदेश के अंदर तमाम प्रकार के रक्षा उत्पाद बनेंगे। उन्होंने कहा कि हम मध्यप्रदेश को सर्वांगीण रूप से सशक्त करते हुए, सक्षम करते हुए विकास के पथ पर आगे बढ़ेंगे। सीएम ने कहा कि आज मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि पूरे देश में मध्यप्रदेश वो स्थान है, जहां बेरोजगारी की दर सबसे कम है। प्रदेश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने वाले सावधान!

इंदौर निगम संपत्ति पर लगाएगा ताले

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

मध्य प्रदेश के आर्थिक शहर इंदौर में नगर निगम द्वारा संपत्ति कर जमा न करने वालों के खिलाफ तगड़ी कार्रवाई करने की तैयारी में है। बता दें कि, शहर में ऐसे कई प्लॉट और मकान हैं, जिनके मालिकों ने टैक्स जमा करना तो दूर संपत्तिकर खाते तक नहीं खुलवाए हैं। ऐसे संपत्तिकर खाता न खुलवाने वाले लोगों को ढूंढने का काम अब नगर निगम का राजस्व अमला करने की तैयारी कर रहा है।

इस तरह का फंसा हुआ राजस्व जमा करने के लिए नगर निगम के 22 जोन पर तैनात सहायक राजस्व अधिकारी (एआरओ) और 85 वार्ड के बिल कलेक्टरों को अपने - अपने जोन और वार्ड में बिना खाते वाली संपत्तियों को ढूंढने के काम पर लगाया जा रहा है। एआरओ और बिल कलेक्टर न सिर्फ ऐसी संपत्तियों को ढूंढ़ने का काम करेंगे, बल्कि टैक्स वसूली करने का काम भी करेंगे। इस बार की खास बात ये है कि, निर्धारित समयावधि में टैक्स जमा न करने वाले संपत्ति स्वामियों की संपत्ति पर ताले तक लगाए जाएंगे।

कई प्लॉट और मकानों के खाते तक नहीं

निगम के राजस्व विभाग के रिकॉर्ड अनुसार, शहर में 7.50 लाख से ज्यादा संपत्तिकर खाते हैं। इसके साथ ही, शहर में ऐसे कई प्लॉट और मकान मालिक हैं, जिन्होंने लंबा समय बीत जाने के बावजूद निगम में संपत्तिकर खाते तक नहीं खुलवाए हैं। इसको लेकर निगम राजस्व विभाग मुहिम चलाने जा रहा है।

चरणबद्ध होगी कार्रवाई

इस संबंध में राजस्व विभाग के प्रभारी निरंजन सिंह चौहान का कहना है कि, इस कार्रवाई को चरणबद्ध किया जाएगा। पहले चरण में शहर में स्थित ऐसे प्लॉट और मकानों को चिन्हित किया जाएगा, जिनके स्वामियों ने अपना संपत्तिकर खाता भी नहीं खुलवाया है। इन्हें तलाशकर निगम में संपत्ति खाते खोले जाएंगे। इसके बाद इन्हें विभाग की ओर से निर्धारित समय देकर टैक्स जमा करने को कहा जाएगा। अगर तय समयावधि में स्वामी टैक्स जमा नहीं करते तो आगे की कार्रवाई होगी।

मैदान में उतरने वाली है टीम

निरंजन सिंह के अनुसार, इस काम में निगम के 22 जोन पर तैनात एआरओ और 85 वार्ड के बिल कलेक्टरों को लगाया जा रहा है। मामले में आज ही निगमायुक्त क्षितिज सिंघल और राजस्व विभाग के अपर आयुक्त आकाश सिंह से बात कर एआरओ और बिल कलेक्टरों को अपने - अपने जोन - वार्ड में बिना खाते वाली संपत्तियों को ढूंढने के काम पर लगाया जाएगा। एआरओ और बिल कलेक्टर संपत्तियों को ढूंढकर खाते खोलेंगे और टैक्स वसूल करेंगे। इसके बाद टैक्स न देने वालों की संपत्ति पर ताले लगाए जाएंगे।

इनपर भी एक्शन

उन्होंने कहा कि, एआरओ को निर्देशित किया जाएगा कि, रेसीडेंशियल की जगह कमर्शियल और औद्योगिक उपयोग होने पर कार्रवाई कर सही टैक्स वसूल किया जाए। जिन संपत्तियों का क्षेत्रफल ज्यादा है और टैक्स कम जमा किया जा रहा है, उनकी जांच कर खातों में संसोधन करके संपत्तिकर लिया जाएगा। न देने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

एमपी में कांग्रेस आंदोलनों के जरिए सरकार को घेरेगी, भोपाल, उज्जैन में होंगे प्रदर्शन

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने उज्जैन भूमि मामले, भ्रष्टाचार और किसानों के मुद्दे पर आंदोलन करने की घोषणा की है। कांग्रेस नेत्री शोभा ओझा ने भाजपा सरकार पर छात्रों, युवाओं, किसानों और भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में चरणबद्ध जनआंदोलन होंगे। कांग्रेस अब सरकार को सड़क से सदन तक घेरने का काम करेगी और मुख्यमंत्री से हर मुद्दे पर जवाब मांगा जाएगा।

ओझा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं और पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों युवाओं का भविष्य संकट में डाल दिया है। व्यापमं घोटाले के बाद अब नीट, नेट और अन्य परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं ने शिक्षा व्यवस्था की साख खत्म कर दी है। कांग्रेस छात्रों की गूंज अभियान के माध्यम से प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पहुंचकर छात्रों की आवाज उठाएगी तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करेगी।

उन्होंने किसानों की समस्याओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि खरीफ सीजन के दौरान डीएपी और यूरिया की भारी कमी है। खाद की कालाबाजारी हो रही है, किसान कई-कई दिनों तक सोसायटियों के बाहर लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। कांग्रेस 14 और 15 जुलाई को इंदौर से भोपाल तक सायकल रैली निकलेगी और छात्रों के मुद्दे उठाएगी। उज्जैन भूमि प्रकरण का उल्लेख करते हुए शोभा ओझा ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से सार्वजनिक रूप से जवाब देने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और उनके परिजनों द्वारा भूमि खरीद तथा विकास परियोजनाओं के बीच हितों के टकराव के गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। जिनकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। साथ ही महाकाल लोक और अन्य मामलों में भी भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच की मांग की। इस मुद्दे पर कांग्रेस उज्जैन में जुलाई के अंतिम सप्ताह में एक बड़ी रैली निकलेगी।

मेघनाद घाट से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक चलेगा क्रूज, पर्यटन सुविधाओं का होगा विस्तार

■ **धार । संभाग पोस्ट**

प्रदेश के पहले अंतरप्रांतीय जल मार्ग के रूप में विकसित किए जा रहे धार जिले के मेघनाद घाट से गुजरात स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक क्रूज संचालन की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस महत्वाकांक्षी पर्यटन परियोजना के तहत मेघनाद घाट पर पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र को नई पर्यटन पहचान मिलने की उम्मीद है।

परियोजना के अंतर्गत जल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तीन अलग-अलग श्रेणियों में नौकायन एवं क्रूज सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे पर्यटक अपनी सुविधा और पसंद के अनुसार जल यात्रा का आनंद ले सकेंगे।

इसके साथ ही नर्मदा तट पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त रिजॉर्ट विकसित किए जा रहे हैं, जो पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेंगे। प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और जल पर्यटन के समन्वय से यह क्षेत्र प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

पर्यटन विभाग का उद्देश्य इस परियोजना के माध्यम से स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ाना, क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति देना तथा देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को विश्वस्तरीय पर्यटन अनुभव उपलब्ध कराना है। क्रूज संचालन शुरू होने के बाद मेघनाद घाट और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बीच जल मार्ग से यात्रा पर्यटकों के लिए एक नया और रोमांचक आकर्षण बनेगी।

गुजरात से दो अपहृत नाबालिग बालिकाएं सकुशल बरामद, दो बाल अपचारी गिरफ्तार

■ **धार । संभाग पोस्ट**

कुक्षी थाना कुक्षी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुजरात से अपहृत दो नाबालिग बालिकाओं को सकुशल बरामद कर दो बाल अपचारियों को अभिरक्षा में लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विजय डावर तथा एसडीओपी कुक्षी श्री सुनील गुप्ता के निर्देशन में थाना प्रभारी श्री दीपक सिंह चौहान के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार, एक नाबालिग बालिका को राजकोट (गुजरात) से तथा दूसरी बालिका को जामनगर (गुजरात) से एक-एक बाल अपचारी के कब्जे से सुरक्षित दस्तयाब किया गया। दोनों बालिकाओं को सकुशल परिजनों तक पहुंचाने के बाद उनके कथन दर्ज किए गए। बालिकाओं के कथनों के आधार पर प्रकरण में दोनों बाल अपचारियों के विरुद्ध बलात्कार एवं पॉक्सो (इ्ष्एध्) अधिनियम की संबंधित धाराएं बढ़ाई गईं। इसके बाद दोनों बाल अपचारियों को किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत विधिवत अभिरक्षा में लेकर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी श्री दीपक सिंह चौहान, उपनिरीक्षक श्री अनूप बघेल, सहायक उपनिरीक्षक श्री चंचल सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक श्री सोनू चौहान तथा आरक्षक श्री विपिन की विशेष भूमिका रही। थाना कुक्षी पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी नाबालिग के गुम होने या बच्चों से संबंधित किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा डायल 112 पर सूचना दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

देवास के होनहार अरनव चौहान ने राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

खंडवा में आयोजित ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में बने उपविजेता, समाज में खुशी की लहर

■ **देवास । संभाग पोस्ट**

देवास के होनहार खिलाड़ी अरनव चौहान पिता – प्रदीप चौहान ने खंडवा में आयोजित खेलकुंज स्पोर्ट्स अकादमी ओपन स्टेट बैडमिंटन टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रनर-अप (द्वितीय स्थान) प्राप्त कर जिले एवं समाज का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच हुए कड़े मुकाबलों में अरनव ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें ट्रॉफी एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। अरनव की इस उपलब्धि पर परिवार, समाजजनों, खेल प्रेमियों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। सभी ने कहा कि अरनव की यह सफलता अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। खंडवा में आयोजित राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में उपविजेता बनने पर ट्रॉफी एवं सम्मान ग्रहण करते देवास के होनहार खिलाड़ी अरनव चौहान।

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिकः 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पताः हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

AFSL SERVICES INDIA LLP
Registered Under Ministry of Corporate Affairs & MSME, Govt of India
An ISO 9001: 2015 Certified Forensic Science Laboratory, LLPIN: ACN-6724
FORENSIC SCIENCE SERVICES
Scientific Assistance Towards Justice
• Crime Scene Investigation
• Handwriting, Signature & Documents Examination
• Fingerprint Examination
• Audio & Video Examination
• Voice Examination
• Computer/Cyber Crime Investigation
• Fire & Arson Investigation
• Insurance Fraud Investigation
• 65B IEA Certificate [63(4)(c) BSA]
• Cross Examination of forensic experts and reports
• Forensic Training & Internship
• Medicolegal Consultancy
• Photography Examination
• Forensic Consultancy.
www.appliedforensicresearchsciences.in

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर मो

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

साइबर फ्रॉड पीड़ितों को थाना स्तर पर मिलेगी तत्काल राहत

5 थानों में ECIT साइबर हेल्प डेस्क का शुभारंभ

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर में लगातार बढ़ रहे साइबर अपराधों और ऑनलाइन फ्रॉड के मामलों पर लगाम कसने के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने एक बेहद सराहनीय और बड़ी पहल की है। अब साइबर ठगी के शिकार पीड़ितों को अपनी शिकायतों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, बल्कि उन्हें थाना स्तर पर ही त्वरित सहायता मिल सकेगी।

सिबत पीड़ितों को तुरंत मदद दिलाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने आज पलासिया थाने से शहर के चारों जोन के चिन्हित थानों और क्राइम ब्रांच में ECIT यानी एक्सपर्ट साइबर इन्वेस्टिगेशन टीम के तहत 'विशेष साइबर हेल्प डेस्क' का शुभारंभ किया। इस दौरान पुलिस कमिश्नर ने 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के तहत छात्र-छात्राओं से संवाद कर डिजिटल सुरक्षा का पाठ भी पढ़ाया।

पांच थानों में विशेष 'ECIT साइबर हेल्प डेस्क की स्थापना

इंदौर शहर में ऑनलाइन ठगी और डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों में तत्काल रिस्पॉन्स देने के लिए पुलिस अब पूरी तरह हाईटेक हो चुकी है। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शहर के चारों जोन के एक-एक प्रमुख थानों राजेंद्र नगर, विजय नगर, भंवरकुआं, पलासिया और इसके साथ ही क्राइम ब्रांच इंदौर में विशेष ECIT साइबर हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है।

पुलिस कमिश्नर ने हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया, कार्यप्रणाली को समझा

पलासिया थाने में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने इस नई सुविधा का उद्घाटन किया। इस मौके पर शहर के अन्य संबंधित थाने भी वर्चुअल माध्यम से इस कार्यक्रम का हिस्सा बने। उद्घाटन के बाद पुलिस कमिश्नर ने हेल्प डेस्क का बारीकी से निरीक्षण किया और उसकी कार्यप्रणाली को समझा। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए।

सावधानी और जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचने का सबसे प्रभावी हथियार

अपने संबोधन के दौरान पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि तकनीकी युग में सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है और जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचने का सबसे प्रभावी हथियार है। इसी उद्देश्य से मध्य प्रदेश पुलिस 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान चला रही है। कार्यक्रम में मौजूद छात्रों ने भी पुलिस कमिश्नर से अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे वे सजग रहकर ऑनलाइन फ्रॉड से सुरक्षित रहे। इंदौर पुलिस के इस नवाचार से अब थानों में ही तकनीकी एक्सपर्ट मिलेंगे, जो ठगी की रकम को तुरंत होल्ड कराने और अपराधियों को दबोचने में अहम भूमिका निभाएंगे।

अधूरी इंदौर-उज्जैन सड़क बनी हादसे की वजह, गिर रहे वाहन चालक; गिट्टी, कीचड़ व गहरे गड्ढों से बढ़ा खतरा

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर में बारिश के बाद लवकुश चौराहे से अरविंदो तक जाने वाली सड़क वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन गई है। सड़क पर फैली गिट्टी, कीचड़ और जगह-जगह बने गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन लगातार फिसल रहे हैं। शनिवार को इसी मार्ग से एक्टिवा पर गुजर रहे पिता-पुत्री कीचड़ में फिसलकर सड़क पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी ने मदद करते हुए दोनों को उठाया और वाहन संभालने में सहयोग किया। दिनभर में इस तरह के कई हादसे इस सड़क पर हो रहे हैं, लेकिन निर्माण एजेंसी सड़क को जल्द ठीक नहीं कर पा रही है।लवकुश चौराहे पर ब्रिज बनने के कारण सड़क का अधिकांश हिस्सा खराब हो चुका है। अब उस सड़क का भी निर्माण किया जा रहा है, लेकिन जिन हिस्सों को वाहनों के लिए खोला गया है, वे ही हादसों की वजह बन रहे हैं। बारिश के पानी और कीचड़ से भरी सड़क पर कई वाहन चालक संतुलन खोते नजर आए। कुछ लोग कीचड़ से बचने के लिए सड़क किनारे बने फुटपाथ की ओर निकलने लगे, लेकिन वहां भी उबड़-खाबड़ रास्ता उनकी परेशानी बढ़ा रहा है। फिसलन के कारण राहगीरों और वाहन चालकों में डर का माहौल बना हुआ है। कई वाहन चालक कीचड़ में फिसलकर गिर गए, जबकि कुछ गिरते-गिरते बच गए। लोगों का कहना है कि सड़क की जल्द मरम्मत कर कीचड़ और गिट्टी हटाई जानी चाहिए, ताकि रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले लोग हादसों से बच सकें। इस सड़क पर यात्री बसें भी चलती हैं, जिससे बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है।

रियल एस्टेट कारोबारी की हार्ट अटैक से मौत, कार से निकले थे अस्पताल के लिए

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर के बिचौली मर्दाना क्षेत्र में रहने वाले रियल एस्टेट कारोबारी मनीष बिड़ला की 52 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वे फिटनेस को लेकर बेहद सजग रहते थे और मैराथन में भी भाग लेते थे। दिल का दौरा पड़ने से हुई उनकी मौत ने उनके दोस्तों और परिचितों को सोचने पर मजबूर कर दिया कि संतुलित जीवनशैली और नियमित व्यायाम करने के बावजूद हार्ट अटैक क्यों आ रहे हैं।

इसे लेकर डॉक्टरों का कहना है कि नियमित व्यायाम करने के बावजूद हार्ट अटैक होने के मामलों में ज्यादातर कारण आनुवंशिक

होते हैं या व्यक्ति को पहले से कोई हृदय संबंधी बीमारी होती है, जिसके बारे में उसे जानकारी नहीं होती।

सीने में दर्द होने पर कार से जा रहे थे अस्पताल

मनीष को रविवार दोपहर अचानक सीने में दर्द उठा। वे अपने भतीजे के साथ कार से रिंग रोड स्थित एक निजी अस्पताल के लिए निकले, लेकिन रास्ते में ही उन्हें तेज दर्द होने लगा। भतीजा कुछ समझ नहीं पाया। जब वह मनीष को लेकर अस्पताल पहुंचा, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सोमवार को उनका अंतिम संस्कार रीजनल पार्क मुक्तिधाम में किया गया। मनीष के दोस्तों का कहना है कि वे नियमित रूप से जिम जाते थे और शहर में होने वाली लगभग हर मैराथन में भाग लेते थे। फिटनेस का इतना ध्यान रखने वाले व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ना सभी के लिए हैरानी की बात है।

शुद्ध मावे की मिठाइयों के निर्माता एवं विक्रेता
श्री चारभुजा स्वीट्स एवं नमकीन
गुलाब जामुन, मावाबाटी, काला जामुन, रसगुल्ला इत्यादि
662/9, नेहरु नगर, अटल द्वार, इन्दौर
शाखा : 60, न्यू देवास रोड, राजकुमार ब्रिज, इंदौर

चेतन टेलर्स
(सूट स्पेशलिस्ट)
सुनिल खटके
मो. 9893118079
30/1.परदेशीपुरा, शिवधाम के सामने, इंदौर

RAVI S. SAHU
Managing Director
+91-98260-77714
स्वाद का जादू-जागे घर घर...
रवि®
मसाले बस चुटकी भर...
मसाले एवं पापड़
RAVI HOME INDUSTRIES
12, Nirmal Nagar, Piplyahana, Indore - 452 001, Ph. : 0731-2490449
Web : www.ravihomeind.com | E-mail : ravisahurhi@gmail.com

॥ श्री गणेश ॥ ॥ जय माँ भगवती ॥
सेवक राम केवट (छोटू उस्ताद)
मो. 9826012658, 9131711406
माँ नर्मदा केटरर्स
107, नार्थ मुसाखेड़ी, अजयबाग कॉलोनी, इन्दौर
शादी, पार्टी, पिकनिक, जन्मदिन पर कच्ची एवं पक्की रसोई की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु सम्पर्क करें।

अनुप यादव
9617246247
अमन यादव
7773007307
8770131488
आविन्त्री हार्डवेयर
सेनेटरी एण्ड पेन्ट्स
ASTRAL PIPES
92 हीरा नगर MR-10 मेन रोड़, इन्दौर (म.प्र.)

त्रिगुण दास बौरासी
कुलदीप बौरासी
मो. 9405852932
लक्ष्मी आप्टीशियन
सभी प्रकार के नजर व धूप के चश्मे बनाए जाते हैं
फोन : 0731-2545493
352/2, पाटनीपुरा (भेरु मंदिर के पीछे) प्रिंस टेलर के बीच वाली गली में , इंदौर

सिरवेल के जिम्मेदारों की खुली चुनौती

जारी रहेगा भ्रष्टाचारी बचाओ अभियान ?

संभाग पोस्ट
जिलों से संभाग तक का सच
सिरवेल के जिम्मेदारों की मौन सहमति से
घोटाले का खेल!
सरपंच-सचिव पर कब जागेगा प्रशासन
कलेक्टर खरगोन भव्या मित्तल
CEO कंचन डोंगरे जनपद पंचायत भगवानपुरा
CEO की स्वीकारोक्ति के बावजूद क्यों ठंडे बस्ते में है कार्रवाई?
शिकायतों का ढेर, फिर भी दोषियों को संरक्षण का खेल!
आखिर कब तक जारी रहेगा भ्रष्टाचारी बचाओ अभियान?
(विस्तृत समाचार पृष्ठ 3 पर)

संभाग पोस्ट
जिलों से संभाग तक का सच
महादेव के नाम पर 'महा-घोटाला'
आस्था की आड़ में
'अवैध वसूली' का खेल!
सरपंच-सचिव का 'अवैध वसूली' तांडव, पंचायत के खातों में सन्नाटा!
CEO कंचन डोंगरे जनपद पंचायत भगवानपुरा
SPECIAL REPORT
अजब इंदौर की गजब पुलिस, थानेदार का 'झूठ' अब यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर पकड़ेगा ?

SPECIAL REPORT

✍नवीन गलकर

खरगोन/सिरवेल। संभाग पोस्ट' द्वारा पूर्व में उजागर किए गए सिरवेल महादेव मेला घोटाले का मामला अब और गहरा गया है। आस्था के नाम पर जो अवैध वसूली का खेल महाशिवरात्रि 2026 के अवसर पर शुरू हुआ था, उसकी परतें अब जैसे-जैसे खुल रही हैं, प्रशासनिक तंत्र की संवेदनहीनता और भ्रष्टाचार का नंगा नाच सामने आ रहा है।

कलेक्टर खरगोन, जिला पंचायत और अन्य संबंधित उच्च अधिकारियों को दी गई ढेरो शिकायतों के बावजूद, प्रशासनिक गलियारों में एक अजीब सा सन्नाटा पसरा है। यह सन्नाटा इस बात की पुष्टि करता है कि सरपंच और सचिव को संरक्षण देने का एक अदृश्य नेटवर्क सक्रिय है। हैरान करने वाली बात तो यह है कि जनपद पंचायत भगवानपुरा की सीईओ कंचन डोंगरे ने 'संभाग पोस्ट' से फोन पर बातचीत के दौरान खुद इस बात को स्वीकार किया था कि 'प्रक्रियाओं की धज्जियां उड़ाई गई हैं और राशि पंचायत के खाते में जमा नहीं हुई है।' इसके बावजूद, न तो कोई ठोस जांच हुई, न ही किसी पर **FIR** दर्ज की गई। क्या 'फर्स्ट टाइम' या 'अधूरी जानकारी' की आड़ में घोटालेबाजों को भ्रष्टाचार का लाइसेंस दे दिया गया है? जनपद कार्यालय भगवानपुरा में पूर्व में लोकायुक्त द्वारा लेखा अधिकारी के रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े जाने और उसमें सीईओ के नाम का जिक्र आने के बाद ऐसा लगता है, कि जनपद स्तर पर कमीशनखोरी का जो 'ऑफर' चल रहा है, उसमें सिरवेल पंचायत की भूमिका महज एक हिस्सा है? ऐसा प्रतीत होता है कि ऊपर से नीचे तक की पूरी मशीनरी इस 'कमीशन राज' को बचाने में जुटी है। क्योंकि जनपद सीईओ कंचन डोंगरे द्वारा जिस प्रकार शुरुआती दौर में शिकायत पर संज्ञान लिया गया और जवाबदेही की गई, अब कई बार शिकायत के सबूत देने और शिकायत पर कार्रवाई की जानकारी लेने तथा व्हाट्सएप पर मैसेज करने के बावजूद भी किसी प्रकार की कोई प्रतिक्रिया न देना यह सिद्ध करता है कि शायद मैडम को भेटपूजा चढ़ादी गई हैं?

सिरवेल के सरपंच-सचिव की धांधली सिर्फ मेले तक ही सीमित नहीं है। हाट बाजार में शेड निर्माण के कार्य में भी बड़े स्तर पर गड़बड़ी की गई है। आरोप है कि निर्माण कार्य में न केवल घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, बल्कि सरकारी राशि का बंदरबांट कर निर्माण कार्य संपन्न दिखा दिया गया। यह शेड, जो ग्रामीणों की सुविधा के लिए था, अब भ्रष्टाचार का जीता-जागता स्मारक बनकर खड़ा है। सिरवेल ग्राम में भ्रष्टाचार का यह पहला खेल नहीं है। बल्कि ऐसे कई स्मारक यहां आज भी खंडहर के रूप में देखे जा सकते हैं जो इस बात की गवाही दे रहे हैं कि यहां किए गए निर्माण शायद भ्रष्टाचार के लिए ही संपन्न हुए हैं? जिनका कोई उपयोग नहीं है। हमने पहले भी इस बात से अवगत कराया था कि सिरवेल के महादेव सब देख रहे हैं, लेकिन क्या प्रशासन भी देख रहा है? यदि जिला प्रशासन इस मामले में अब भी मौन रहता है, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि 'कमीशन राज' की जड़ें कितनी गहरी हैं। जांच के नाम पर लीपा-पोती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सवाल तो कलेक्टर मैडम से भी है, क्या मैडम आप तक भी महादेव और उनके भक्तो के साथ किये गये छल रुपी मलाई का हिस्सा पहुंच गया हैं ? यदि समय रहते इन घोटालेबाजों पर **FIR** दर्ज नहीं की गई और अवैध निर्माण में हुई गड़बड़ी की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो इस 'कमीशन राज' के सभी चेहरों को बेनकाब करने का अभियान और तेज होगा। शायद कलेक्टर मैडम भव्या मित्तल ने इस प्रश्न का जवाब मौन सुकृति से दे दिया है? अब क्यों ना यह मान लिया जाए कि जब तक जिले की मुखिया भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए काम करेंगे तब तक ऐसे भ्रष्टाचारियों पर कार्यवाही होना संभव नहीं?

यानी जिम्मेदारों की खुली चुनौति,जारी रहेगा भ्रष्टाचारी बचाओ अभियान?

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948